मुहर्रम | रानीताल और सूपाताल कर्बला पहुंचे ताजिए, अकीदत के साथ संपन्न हुआ मुहर्रम

कौमी एकता के साथ गूंजती रहीं 'या हुसैन' की सदाएं

नवभारत, जबलपुर। पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मुहर्रम शुक्रवार को अकीदत और कौमी एकता के माहौल में संपन्न हुआ। शहरभर के ताजिए और सवारियां रानीताल कर्बला पहुंचकर ठंडे किए गए। पूरे रास्ते 'या हुसैन' की सदाएं गूंजती रहीं और हजारों जायरीन ने नम आंखों से इन्हें विदाई दी। इस जुलूस ने सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल पेश की, जिसमें हिंदू-मुस्लिम मुजावरों की सवारियां एक साथ शामिल हुईं। हिंदू समाज के लोगों ने भी सवारियां रखीं, लंगर बांटे और स्वागत किया। प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे और संवेदनशील मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा।

शिया समाज का जुलूस और धार्मिक संदेश

यौमे आशूरा पर शिया समाज ने हज़रत इमाम हुसैन और शहीद-ए-कर्बला की याद में इबादत की। मस्जिद जाकिर अली में सुबह इबादत के बाद शिया इमामबाड़ा गलगला से अलम का जुलूस निकला, जो फूटाताल, खटीक मोहल्ला, सुनरहाई से होता हुआ कोतवाली पहुंचा। यहाँ मुरादाबाद से आए मौलाना जाफ़र रज़ा ने कहा कि इमाम हुसैन ने ज़ुल्म के सामने सत्य व न्याय की अमर मिसाल कायम की। उन्होंने युवाओं से दुनियावी शिक्षा के साथ मज़हबी शिक्षा लेने का आह्वान किया ताकि डॉक्टर, इंजीनियर और अधिकारी देश हित में ईमानदारी से काम करें। उन्होंने भ्रष्टाचार व सामाजिक बुराइयों के खिलाफ संघर्ष का संदेश दिया। इसके बाद शुजाअत रिज़वी, शमसुल, काज़िम, फैजान, एजाज़ व सुज्जू नक़वी के नौहों पर मातम करते हुए जुलूस दोपहर 2 बजे रानीताल कर्बला पहुंचा। रात को गलगला इमामबाड़े में शाम-ए-ग़रीबाँ की मजलिस हुई। सचिव अफसर हुसैन नक़वी ने पुलिस-प्रशासन का आभार जताया।

ताजिए, सवारियां और लंगर व्यवस्था

मुख्य जुलूस में करीब 300 सवारियां और 70 छोटे-बड़े ताजिए शामिल थे। बहोरा बाग, चार खंभा, मिलौनीगंज, कोतवाली और फुहारा होते हुए जुलूस रानीताल कर्बला पहुंचा। इसमें सूफी गुल बाबा अशरफी का मन्नत वाला ताजिया, सुलेमानी मस्जिद, चांदनी चौक व बहोरा बाग के ताजिए आकर्षण का केंद्र रहे। श्रद्धालु बच्चों को ताजियों के नीचे से निकालते दिखे। मोरछल लिए चल रहे बाबा साहब के दीदार को हुजूम उमड़ पड़ा। चांदी के छत्र और मखानों से बनी विशाल सवारियां सुंदर कारीगरी का नमूना थीं। पूरे शहर में व्यापक लंगर व्यवस्था थी। एक तरफ जुलूस कर्बला बढ़ रहा था, तो दूसरी तरफ लंगर कलेक्शन वाले वाहन रानीताल ईदगाह क्षेत्र में लोगों की सेवा में जुटे थे।

सदर और रांझी क्षेत्र के जुलूस

सदर क्षेत्र में शाम को निकले परंपरागत जुलूस में गली नंबर-9 का पंचायती ताजिया, सिकंदर बाबा, सारवट, बूचड़ी, नाले हैदर बशीर होटल, अकील बाबा और चांदी की सवारी मुख्य आकर्षण रहीं। जुलूस का नेतृत्व मोहम्मद अकबर खान सरवर, इनायत अली शाह, नासिर बाबा, सिकंदर बाबा और सिमा बाबा ने किया। अकबर खान सरवर के अनुसार यहाँ 40 से अधिक सवारियां और 10 ताजिए शामिल हुए, जो कर्बला पहुंचे। उधर रांझी क्षेत्र के जुलूस में अन्ना बाबा, राकेश बाबा और दरबार ए पहलवान गांधी व्यायामशाला की सवारी देखने भारी भीड़ उमड़ी।

गढ़ा का जुलूस और सूपाताल में समापन

गढ़ा क्षेत्र का जुलूस भी शाम को निकला, जिसमें सूफी मुबारक कादरी व नियाज मंसूरी के अनुसार 50 से अधिक हिंदू-मुस्लिम मुजावरों की सवारियां और 12 ताजिए शामिल थे। यहाँ डॉ. सैय्यद मकबूल अली कादरी, सूफी निजाम बाबा, खलीफा मुमताज मंसूरी और दादा दरबार की सवारी मुख्य आकर्षण थीं। रास्ते में हिंदू धर्मावलंबियों ने लंगर बांटकर बाबा साहब का इस्तकबाल किया। गढ़ा बाजार कौमी एकता मुर्तजा कमेटी के मुईन उस्मानी ने जुलूस का स्वागत किया। गढ़ा बाजार और त्रिपुरी चौक होते हुए जुलूस सूपाताल कर्बला पहुंचा, जहाँ सैय्यद कादिर अली कादरी, वासित कादरी, खलीफा इनायत अली कादरी और जवाहर कादरी ने सलातो-सलाम पेश कर अनुशासन व भाईचारे के साथ इसका समापन कराया।

अकीदत और स्वच्छता का अनूठा संगम

शहादत के पर्व मुहर्रम के समापन के अवसर पर शहर का रानीताल कर्बला अकीदत का मुख्य केंद्र बना। सवारियाँ ठंडी होने से पहले वहाँ प्रशासन और कमेटियों के बेहतर तालमेल से बेहद शानदार व्यवस्थाएं देखने को मिली। शहर भर से उमड़ने वाले अकीदतमंदों की भारी मौजूदगी के बीच सुरक्षा और सुविधा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल था। सवारियाँ ठंडी होने से पहले इस बार स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया। आगा चौक से लेकर रानीताल कर्बला तक पूरे मार्ग में कहीं भी गंदगी नजर नहीं आई। स्थानीय निवासियों और अकीदतमंदों ने इस बेहतरीन व स्वच्छ प्रबंधन की जमकर सराहना की। कमेटियों, जागरूक नागरिकों और प्रशासन के आपसी सहयोग का ही नतीजा था कि मुहर्रम के पवित्र मौके पर गरिमा, अनुशासन और स्वच्छता की एक खूबसूरत मिसाल पेश हुई।

नशा मुक्ति के लिए 5 दिवसीय नव चेतना शिविर

नवभारत, जबलपुर। अंतरराष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर मादक पदार्थों के सेवन एवं व्यापार व्यवसाय के रोकथाम हेतु अवधपुरी स्थित नवज्योति नशा मुक्ति केंद्र में 5 दिवसीय 'नव चेतना शिविर' का आयोजन किया गया। आर्ट ऑफ़ लिविंग फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य नशा मुक्ति की ओर अग्रसर लोगों के मानसिक स्वास्थ्य, तनाव मुक्ति एवं आंतरिक शांति को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम के दौरान नशा मुक्ति और समाज में जागरूकता फैलाने को लेकर विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया गया।

प्राणायाम और ध्यान से स्वस्थ जीवन की प्रेरणा

इस शिविर का मार्गदर्शन आर्ट ऑफ़ लिविंग के वरिष्ठ प्रशिक्षक ऋतुराज असाटी द्वारा किया गया। उन्होंने शिविर में प्रतिभागियों को प्राणायाम, ध्यान एवं जीवन कौशल के माध्यम से सकारात्मक और स्वस्थ जीवन जीने की प्रेरणा दी। इसके साथ ही उन्होंने मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक दुष्प्रभाव को भी विस्तार से बताया। इसी क्रम में संस्था से हेमंत सोलंकी द्वारा सभी उपस्थित जनों को मादक द्रव्यों के सेवन व व्यापार व्यवसाय से दूर रहने हेतु संकल्प दिलाया गया।

स्वयंसेवकों का सहयोग और सफल समापन

कार्यक्रम के सफल संचालन में अनेक स्वयंसेवकों ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। इस आयोजन को सफल बनाने में स्वयंसेवक प्रशांत मटानी, गौरी कनक, शिवानी मिश्रा, श्रद्धा मिश्रा, हेमंत सोलंकी, मीता परमार, दीनानाथ सोनी, नीरज राजक, नरेश सरकार, श्वेता मिश्रा और संतोष बर्मन का विशेष सहयोग रहा। सभी सहयोगियों के प्रयासों से इस पांच दिवसीय शिविर का समापन जन जागृति के संदेश के साथ हुआ।

एक नजर में

बहोराबाग-रानीताल कर्बला पहुंचे निगमायुक्त

नवभारत,जबलपुर। शहर की सफाई व्यवस्था के साथ-साथ अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार शुक्रवार सुबह बहोराबाग संभाग के वार्डो में पहुंचे और सफाई व्यवस्था की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने जलापूर्ति व्यवस्था को भी देखा और व्यवस्थाएं दुरूस्त रखने संबंधितों को निर्देश दिये। इसके बाद निगमायुक्त रानीताल कर्बला पहुँचे जहां पर साफ सफाई के साथ-साथ अन्य निगम की सभी व्यवस्थाएं चाकचैबंद मिली। निरीक्षण के दौरान बहोराबाग और रानीताल करबला में नियमित कचरा उठाना, साफ-सुथरी नालियां और सुव्यवस्थित मार्ग देखने को मिला।

सफाई कर्मियों का बढ़ाया हौंसला-जल प्रदाय की स्थिति और उद्यानों का रखरखाव भी बेहतर पाया गया। उन्होंने मौके पर मौजूद स्वास्थ्य और सफाई कर्मियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि जमीनी स्तर पर ऐसी मुस्तैदी ही शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में मददगार साबित होती है। इस अवसर पर अपर आयुक्त देवेन्द्र सिंह चैहान, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, स्वास्थ्य अधिकारी अभिनव मिश्रा, उद्यान अधिकारी मनीष तड़से आदि उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारी संस्थान के अभियान में 350 जवानों को मिला तनाव मुक्ति का मंत्र

नवभारत, जबलपुर। ब्रह्माकुमारी संस्थान के सुरक्षा सेवा प्रभाग की रजत जयंती पर जारी राष्ट्रव्यापी 'स्व-सशक्तिकरण से राष्ट्र-सशक्तिकरण अभियान' के तहत शुक्रवार, 26 जून को जबलपुर में सेना की दो इकाइयों के 350 से अधिक जवानों और अधिकारियों को राजयोग से तनाव प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया। इस अभियान की शुरुआत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 21 अप्रैल 2025 को माउंट आबू में समापन समारोह में की थी, जबकि उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गृह मंत्री अमित शाह थे। अभियान के आठवें चरण में आयोजित पहले सत्र में जम्मू एंड कश्मीर (जैक) रेजिमेंट के 200 से अधिक सैन्य कर्मियों ने तनाव प्रबंधन और राजयोग सीखा, जबकि सिग्नल डिपो रेजिमेंट में हुए दूसरे सत्र में करीब 150 जवान शामिल हुए। माउंट आबू के वक्ताओं ने बताया कि नियमित राजयोग से सुरक्षा कर्मी मानसिक रूप से मजबूत व तनावमुक्त रहकर कठिन परिस्थितियों में भी सही निर्णय ले सकते हैं। माउंट आबू की ज्ञान सरोवर अकादमी से संचालित यह प्रभाग वर्ष 2001 से सेना, केंद्रीय सशस्त्र बलों और राज्य पुलिस के लिए अध्यात्म व प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण चला रहा है जिसे गृह और रक्षा मंत्रालय भी सराह चुके हैं और इससे अब तक 3.3 लाख से अधिक जवान व लगभग 14,500 अधिकारी लाभान्वित हुए हैं। कार्यक्रम में बीके माधुरी दीदी, बीके दीपक भाई, बीके शैलेंद्र भाई, बीके कमल भाई, बीके हितेश भाई और बीके संजीव भाई शामिल रहे।

गौतम आईएएस एकेडमी में नशा निरोधक दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

नवभारत, जबलपुर। अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर भारत सरकार के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत गौतम आईएएस एकेडमी में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग जबलपुर और शांतम प्रज्ञा आश्रम नशा मुक्ति, मनोआरोग्य, दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के तत्वावधान में हुए इस कार्यक्रम में प्रशासनिक सेवा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस मौके पर शांतम प्रज्ञा आश्रम के संचालक साइकोलॉजिस्ट मुकेश कुमार सेन ने छात्रों को मादक द्रव्यों से होने वाली मानसिक बीमारियों की जानकारी दी। अंत में सभी विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति की प्रतिज्ञा ली और बिना तनाव के प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी का संकल्प लिया। इस दौरान एकेडमी के शिक्षक सिद्धार्थ गौतम और अमित चौबे उपस्थित रहे।

नशामुक्ति और स्ट्रेस मैनेजमेंट

इस अवसर पर मुकेश कुमार सेन ने कहा कि इस दिवस का उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर स्वस्थ समाज बनाना है। नशा सिर्फ व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और राष्ट्र को संकट में डालता है। आज आधुनिक जीवनशैली, टेक्नोलॉजी और मशीनों पर बढ़ती निर्भरता से जीवन में तनाव तेजी से बढ़ रहा है, जिससे कई युवा तनावग्रस्त होकर मादक द्रव्यों का सेवन करने लगते हैं। उन्होंने कहा कि समाज को जागरूक होना होगा ताकि नशे को बुराई मानने की मानसिकता दूर हो। शराब, गांजा, अफीम जैसी चीजों का सेवन सामाजिक बुराई नहीं बल्कि मानसिक बीमारी है, जिसका इलाज मनोचिकित्सक, मनोवैज्ञानिक और नशा मुक्ति पुनर्वास द्वारा संभव है। साथ ही अमित चौबे ने विद्यार्थियों को तनाव कम करने के लिए स्ट्रेस मैनेजमेंट टिप्स दिए और योग, ध्यान व अच्छे साहित्य के अध्ययन की सलाह दी।

उभरते हुए व्यावसायिक अवसर पर आज व्याख्यान, स्वरोजगार पर होगी चर्चा

नवभारत,जबलपुर। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) दिवस पर महाकोशल चेम्बर एवं सीए जबलपुर ब्रांच के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार शाम 5 बजे महाकोशल चैंबर सभागार सिविक सेंटर में कार्यक्रम आयोजित है। इसमें आमंत्रित वक्ता सीए सिद्धार्थ नयन जैन द्वारा उभरते हुए व्यावसायिक अवसर एवं सीए मनोज खेरा द्वारा एमएसएमई के लिए उपलब्ध सब्सिडी पर व्याख्यान होंगे। आयोजन में व्यापार एवं उद्योग से संबंधित विषयों पर जानकारी एवं शंका समाधान के साथ स्टार्टअप व स्वरोजगार की भी चर्चा होगी। व्यापार एवं उद्योग के आर्थिक परिपेक्ष्य के विषय में शासकीय योजनाओं एवं नीतियों के तहत उपलब्ध सब्सिडी की जानकारी प्रदान की जायेगी। चेंबर अध्यक्ष रवि गुप्ता, शंकर नाग्देव, युवराज जैन गढ़ावाल, अखिल मिश्र, हेमराज अग्रवाल, गुलशन मखीजा, प्रभात जैन, राजेश चंडोक, अनिल जैन पाली, समीर पाल, सीए जबलपुर ब्रांच चेयरमेन सीए चांदनी आहूजा, सीए रविकांत जैन, सीए तरुण पारवानी ने व्यापारियों एवं उद्योगपतियों से कार्यशाला में उपस्थित हो लाभ लेने की अपील की है।

सामूहिक विवाह सम्मेलन को भव्य बनाने मंथन

नवभारत,जबलपुर। मेहरा समाज ट्रस्ट (पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट) की विशेष बैठक का आयोजन शुक्रवार शाम को इंडियन कॉफी हाउस (मीटिंग हॉल) घंटाघर जबलपुर में किया गया। बैठक की अध्यक्षता रामदीन पठारिया (ट्रस्ट संस्थापक सदस्य) एवं संचालन इंजी. भूपेंद्र मेहरा (राष्ट्रीय सचिव एवं कार्यक्रम संयोजक) द्वारा किया गया। बैठक में मेहरा समाज ट्रस्ट के तत्वावधान में 28 जून को सुबह 10 बजे से मानस भवन जबलपुर में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने जा रहे मेहरा समाज के विशाल 'सामूहिक आदर्श विवाह सम्मेलन एवं सम्मान समारोह' को भव्य एवं सफल बनाने, संपूर्ण तैयारी सुनिश्चित करने इत्यादि के संबंध मे विस्तार पूर्वक चर्चा कर रूपरेखा तैयार की गयी और सभी को व्यक्तिगत जिम्मेदारी सौंपी गयी। उपरोक्त सम्मेलन/समारोह मुख्य अतिथि जगदीश देवड़ा, उप मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री मध्यप्रदेश एवं प्रभारी मंत्री जबलपुर एवं राकेश सिंह , मंत्री, लोक निर्माण विभाग म प्र के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया जा रहा है।बैठक में प्रमुख रूप से अमित मेहरा, इंजी.डी.सी.खंडेलकर, एड. कंचन सिंह मेहरा , जमना प्रसाद मेहरा, हरि मेहरा, इंजी. देवा झारिया, राकेश झारिया, सूरज झारिया,सुनिल झारिया, अजय झारिया, अंकित झारिया, दशरथ प्रसाद बामने, श्रीमती प्रभा देवी खंडेलकर, इंजी.हिमानी खंडेलकर इत्यादि की उपस्थिति सराहनीय रही।

नीट यूजी से आयुष शिक्षा के खुले नए द्वार : डॉ. एके द्विवेदी

▸ होम्योपैथी-आयुर्वेद में भी बढ़े अवसर

नवभारत, जबलपुर। नीट यूजी अब सिर्फ एमबीबीएस ही नहीं, बल्कि आयुष शिक्षा के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश का भी अहम जरिया बन चुका है। यह बात एसकेआरपी गुजराती होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, इंदौर के फिजियोलॉजी एवं बायोकेमिस्ट्री विभाग के प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. द्विवेदी ने कही। वे आयुष मंत्रालय (भारत सरकार) की केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) की एथिकल कमेटी, उत्तर-पूर्व आयुर्वेद एवं होम्योपैथी संस्थान

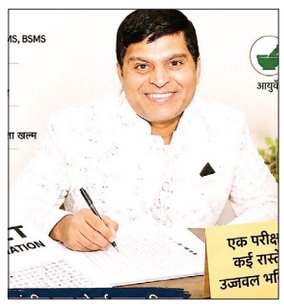

(एनईआईएएच) शिलांग की साइंटिफिक एडवाइजरी कमेटी और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद के सदस्य भी हैं। उन्होंने कहा कि नीट यूजी से छात्रों को बीएचएमएस, बीएएमएस, बीएनवाईएस और बीयूएमएस जैसे आ युष कोर्सेज में प्रवेश के बड़े मौके मिल रहे हैं। जिन छात्रों को एमबीबीएस में दाखिला नहीं मिल पाता, उनके लिए ये कोर्सेज बेहतरीन और सम्मानजनक करियर विकल्प हैं।

आयुष क्षेत्र में आई तेजी, देश-विदेश में बढ़ी मांग

इस दौरान डॉ. द्विवेदी ने बताया कि वर्ष 2014 के बाद आयुष मंत्रालय के गठन, रिसर्च व मेडिकल एजुकेशन के विस्तार, राष्ट्रीय आयुष मिशन और जनविश्वास से आयुर्वेद, होम्योपैथी, योग व प्राकृतिक चिकित्सा की स्वीकार्यता स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ी है। यहाँ प्रैक्टिस के अलावा टीचिंग, रिसर्च, पब्लिक हेल्थ, हॉस्पिटल मैनेजमेंट, हेल्थ कंसल्टेंसी और उद्यमिता में अपार संभावनाएं हैं। दुनिया भर में समग्र व एकीकृत इलाज की मांग से युवाओं के लिए देश-विदेश में रोजगार के नए रास्ते खुले हैं। उन्होंने अभिभावकों-छात्रों से इसे उज्ज्वल भविष्य के रूप में चुनने की अपील की। उन्हें भरोसा है कि आयुष आगे स्वास्थ्य व्यवस्था का मजबूत स्तंभ बनेगा और नीट यूजी से युवा मेडिकल फील्ड में सफल करियर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि एमबीबीएस ही नहीं, आयुष भी उज्ज्वल भविष्य और सेवा का सशक्त मार्ग है।

कार्यशाला | 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करने की ओर बड़ा कदम

विधायी व्यवस्था मजबूत करने नई दिल्ली पहुंचे मप्र के 11 विधायक

नवभारत, जबलपुर। नई दिल्ली में नेशन फर्स्ट पॉलिसी रिसर्च एंड चेंज (एनएफपीआरसी) फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यशाला में मध्यप्रदेश के 11 युवा विधायकों ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के निर्देश पर इन विधायकों को संसदीय और राज्य स्तर पर विधायी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए यहाँ भेजा गया। इस कार्यशाला में केंद्र सरकार के मंत्रियों सहित देश के 8 राज्यों के विधायकों ने प्रतिनिधित्व किया। इसका मुख्य उद्देश्य विधायी नीतिगत सुधार, विभिन्न दीर्घकालिक परियोजनाओं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करना है।

डिजिटल समन्वय और नवाचारों पर जोर

कार्यशाला में सम्मिलित हुए जबलपुर उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से प्रभावी रूप से कार्यों के क्रियान्वयन और समयबद्ध रूप से लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विधायी सुधारों और डिजिटल सेवाओं के साथ समन्वय बनाकर उनका बेहतर उपयोग करने तथा नवाचारों के साथ कार्यपद्धति को विकसित करने के लिए तकनीकी विमर्श किया जा रहा है। डॉ. पाण्डेय के अनुसार, ऐसे प्रशिक्षण ज्ञानपूर्ण और व्यावहारिक कार्यों को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए अत्यंत लाभदायक होते हैं।

जुटे देश के दिग्गज

कार्यशाला में भारत सरकार के खेल मंत्री मनसुख मांडविया, भाजपा राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण, भाजपा राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ, अभिनव प्रकाश और देश के 8 राज्यों के विधायक मौजूद रहे। मध्यप्रदेश के 11 विधायकों में डॉ. अभिलाष पाण्डेय, राजकुमार कर्राहे, नरेंद्र प्रजापति, योगेश पाँडग्रे, कामाख्या सिंह, मुरली भामर, अमर यादव, शरद कोल, कालू सिंह और सिद्धार्थ तिवारी शामिल हुए। इस दौरान एनएफपीआरसी फाउंडेशन के अध्यक्ष तरुण चुघ ने आयुष्मान भारत, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और डिजिटल संवाद को विकसित भारत की आधारशिला बताया, वहीं बोर्ड सदस्य अभिनव प्रकाश ने सुशासन के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम जारी रखने की बात कही। यह फाउंडेशन एक नीति थिंक-टैंक है, जिसका सेंटर फॉर लॉ, पॉलिसी एंड गवर्नेंस (सीएलपीजी) कानूनी, संवैधानिक और शासन-केंद्रित परियोजनाओं में संलग्न है।

डैज़लिंग दीवा क्लब में हुआ 'वेलकम' कार्यक्रम, हुए कई रोमांचक मुकाबले

नवभारत, जबलपुर। डैज़लिंग दीवा क्लब का स्पोर्ट्स थीम आधारित 'वेलकम' कार्यक्रम उत्साह के साथ संपन्न हुआ, जिसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। आयोजन में डाइट और जिम से जुड़ी कई रोचक गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें सदस्यों ने पूरे जोश से बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मनोरंजन के साथ-साथ यहाँ स्वादिष्ट व्यंजनों का भी विशेष इंतजाम किया गया था। कार्यक्रम में दमखम दिखाने के लिए पुश-अप्स प्रतियोगिता, कबड्डी और रस्साकशी के रोमांचक मुकाबले हुए। बुद्धि कौशल परखने के लिए डाइट और फिटनेस आधारित स्पोर्ट्स क्विज़ और स्पोर्ट्स थीम हाउजी का भी आयोजन किया गया। समापन पर सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को आकर्षक उपहार देकर सम्मानित किया गया। क्लब सदस्यों ने इस आयोजन को यादगार बताते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम मनोरंजन के साथ ही स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।